न्यूज डायरी

इमरान खान के अमेरिकी साजिश के दावे की पाकिस्तानी सेना ने निकाली हवा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के अमेरिकी साजिश के दावे की खुद पाकिस्तानी सेना ने ही हवा निकाल दी है। पाकिस्तानी सेना ने देश की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के समक्ष दिए बयान में कहा है कि पाकिस्तान में इमरान खान सरकार को गिराने में अमेरिका के शामिल होने या धमकी के कोई सबूत नहीं हैं। इससे पहले इमरान खान ने दावा किया था कि अमेरिका उनकी सरकार को गिराने की साजिश रच रहा है जिससे पूरे देश में बवाल मच गया था। पाकिस्तानी अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक 27 मार्च को दिए अपने बयान में सेना ने कहा कि उन्हें अमेरिकी हस्तक्षेप के कोई सबूत नहीं मिले हैं। महत्वपूर्ण बात यह थी कि इस बैठक की खुद इमरान खान ने अध्यक्षता की थी। एनएससी की बैठक को राजनयिक संदेश पर चर्चा करने के लिए इमरान खान ने बुलाया था।

किम यो जोंग ने दक्षिण कोरिया को दी परमाणु हमले की धमकी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की शक्तिशाली बहन किम यो जोंग ने दक्षिण कोरिया में तबाही मचाने की चेतावनी दी है। किम यो जोंग ने धमकी दी कि अगर दक्षिण कोरिया ने अगर एक इंच जमीन को नुकसान पहुंचाया तो उत्तर कोरिया परमाणु बम गिरा देगा। उत्ह्तर कोरियाई नेता ने यह बयान ऐसे समय पर दिया है जब प्योंगयांग लगातार महाविनाशक मिसाइलों का परीक्षण कर रहा है। उतर कोरिया ने अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल का भी हाल ही में परीक्षण किया है जो अमेरिका तक मार कर सकती है। किम यो जोंग अपने भाई तानाशाह किम जोंग उन की सबसे नजदीकी सहयोगी और इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि दक्षिण कोरिया के साथ रिश्तों को देखने वाली वही शीर्ष अधिकारी है। किम यो जोंग की यह धमकी दक्षिण कोरिया के रक्षामंत्री सूह वूक के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के पास अब ज्यादा प्रभावी मिसाइलें हैं।

अफगानिस्तान में इस्लामिक स्टेट की आतंकी गतिविधियों पर लगाई रोक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। तालिबान ने दावा किया कि इसने अफगानिस्तान में इस्लामिक स्टेट की हिंसक गतिविधियों पर रोक लगा दी। कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने ये दावे चीनी मीडिया के साथ बातचीत के दौरान की। चीनी मीडिया की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, मुत्ताकी ने कहा कि हाल के कुछ महीनों के दौरान ISIS ने देश में किसी तरह के हमले नहीं किए। टोलो न्यूज के अनुसार, उन्होंने यह भी कहा कि अफगान किसी अन्य देश के लिए खतरा नहीं होगा। मुत्ताकी ने कहा, बीते चार महीनों के दौरान दाएश ने किसी तरह का हमला नहीं किया है। हम कह सकते हैं कि अब अफगानिस्तान सुरक्षित देश है और दुनिया को किए गए उस वादे के लिए हम प्रतिबद्ध हैं जिसमें यह कहा था कि किसी भी देख के खिलाफ अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। अफगान की मौजूदा सरकार के साथ चीन के अच्छे संबंध रहे हैं।

पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोईद यूसुफ ने दिया इस्तीफा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सियासत में भूचाल आया हुआ है। देश की सत्ता डगमगा चुकी है। राजनीतिक अस्थिरता दिन–ब–दिन बढ़ती जा रही है। राजनीतिक और संवैधानिक संकट के बीच पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोईद यूसुफ ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर यह जानकारी लोगों को दी। पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोईद यूसुफ ने ट्वीट कर कहा, आज, मैं बेहद संतुष्ट हूं, क्योंकि मैं जानता हूं कि एनएसए का कार्यालय और एनएसडी एक असाधारण टीम के साथ जीवंत संस्थान हैं, जो पाकिस्तान को गौरवान्वित करना जारी रखेंगे। इसके साथ ही एनएसए के रूप में अपनी भूमिका के साथ न्याय करने की अनुमति देने के लिए PMIK को धन्यवाद देना चाहता हूं।

पाकिस्तानी पीएम इमरान खान के साथ खुलकर आया रूस

आरोप

रूस ने कहा कि अमेरिका आदेश नहीं मानने वाले इमरान खान को दंडित करना चाहता है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के आतंरिक मामले में कथित अमेरिकी हस्तक्षेप पर रूस बुरी तरह से भड़क उठा है। रूस ने कहा कि यह अमेरिका का पाकिस्तान के आतंरिक मामले में बेशर्म तरीके से हस्तक्षेप का एक और प्रयास है। रूस ने कहा कि अमेरिका आदेश नहीं मानने वाले इमरान खान को दंडित करना चाहता है। इससे पहले तुर्की और ईरान ने भी इमरान खान मामले पर अमेरिका को आगाह किया था। इससे पहले इमरान खान ने आरोप लगाया था कि रूस के दौरे के कारण अमेरिका उनकी सरकार को गिराना चाहता है।

रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाखरोवा ने कहा कि रूस पाकिस्तानी राष्ट्रपति के संसद को भंग करने के मामले पर करीबी से नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि इमरान खान ने जैसे ही 23–24 फरवरी को मास्को की यात्रा का ऐलान किया, अमेरिका और उसके

पश्चिमी समर्थकों ने पाकिस्तानी पीएम पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। वे इमरान खान से मांग कर रहे थे कि रूस की यात्रा को रद किया जाए। रूसी प्रवक्ता ने कहा कि जब इमरान खान रूस आए तब अमेरिकी अधिकारी लू ने तत्काल पाकिस्तान के वॉशिंगटन स्थित राजदूत को फोन किया और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री को वापस लौटने के लिए कहा जिसे खारिज कर दिया गया।

अमेरिका इमरान खान को दंडित करना चाहता है: रूसी प्रवक्ता ने कहा कि हालात में आगे के घटनाक्रम से कोई संदेह नहीं रह गया है कि अमेरिका बात नहीं मानने वाले इमरान खान को दंडित करना चाहता है। उन्होंने कहा कि खुद इमरान खान की पार्टी के सांसद भी विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव के दौरान पाला बदल लिए। उन्होंने कहा, यह एक स्वतंत्र देश के विदेश नीति में अपने स्व्वार्थ के लिए हस्तक्षेप का अमेरिका की ओर से किया गया बेशर्मी से भरा प्रयास है। इससे पहले तुर्की ने भी इमरान खान का खुलकर समर्थन किया था।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने कहा था कि तुर्की पाकिस्तान के राजनीतिक घटनाक्रम पर करीबी से नजर बनाए हुए है। तुर्की चाहता है कि इमरान खान सरकार अपना कार्यकाल पूरा करे। तुर्की के विदेश मंत्री पाकिस्त्थान के विदेश मंत्री को फोन भी किया था। तुर्की ने कहा कि वह पाकिस्त्थान के राजनीतिक घटनाक्रम से चिंतित है। इस बीच ईरान के विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान में कथित विदेशी हस्तक्षेप के प्रति आगाह किया है। ईरान ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि पाकिस्तान के लोग बिना विदेशी हस्तक्षेप के अपने देश के भाग्य का फैसला करें। ईरान ने कहा कि वह पाकिस्तान के घटनाक्रम पर करीबी नजर रखे हुए है।

अमेरिका के प्रति कोई दुर्भावना नहीं है–इमरानः इस बीच इमरान खान ने अपने रुख में बदलाव करते हुए सोमवार को कहा कि वह 'अमेरिकी विरोधी' नहीं हैं और आपसी सम्मान के आधार पर अमेरिका के साथ मजबूत संबंध चाहते हैं।

कोरोना के नाम पर बच्चों को मां–बाप से अलग कर रहा चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) शंघाई। चीन के सबसे बड़े शहर शंघाई में 2.5 करोड़ लोग लॉकडाउन में कैद हैं। इस बीच कोरोना वायरस के ओमीक्रोन वेरिएंट के प्रसार को रोकने के लिए चीन अब क्रूरता पर उतारू हो गया है। शंघाई में सेना की तैनाती करने के बाद चीन ने कोरोना वायरस से संक्रमित बच्चों को उनके मां–बाप से अलग करके उन्हें क्वारंटाइन कैंपों में डालना शुरू कर दिया है। चीन यह सब अपनी जीरो कोविड नीति के तहत कर रहा है जो अब बुरी तरह से फेल साबित हो रही है।

विश्लेषकों का कहना है कि यह सब चीन अपने राष्ट्रपति शी जिनपिंग की कुर्सी बचाने के लिए कर रहा है।

शंघाई के स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को कोरोना पॉजिटिव बच्चों और युवकों को उनके पैरंट्स से अलग करने के अपने फैसले का बचाव किया। चीन के लॉकडाउन लगाने और अब बच्चों को अलग करने से शहर के लोगों में हताशा बढ़ती जा रही है।

चीन के इस वित्तीय हब में कोरोना वायरस वुहान महामारी के बाद सबसे ज्यादा भयानक तरीके से फैला है। चीन के सख्त कानून के मुताबिक अगर कोई कोरोना वायरस से संक्रमित पाया जाता है तो उसे अन्य लोगों से अलग होना ही होगा।

बूचा में लाशों का अंबार देख रो पड़े यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बूचा (यूक्रेन)। रूसी सेना के भीषण हमलों से कब्रिस्तान में बदल चुके यूक्रेन के बूचा शहर का हाल देख राष्ट्रपति वोलोदमयर जेलेंस्की भावुक हो गए और उनकी आंखों से आंसू आ गए। उन्होंने कहा, बात करना भी बहुत मुश्किल है। बूचा शहर में 400 से ज्यादा लाशें मिली हैं और रूसी सेना पर आरोप है कि उसने आम नागरिकों की हत्या कर दी, महिलाओं के साथ बलात्कार किया और बड़ी संख्या में आम लोगों की लाशों को सामूहिक कब्रों में दफन कर दिया। जेलेंस्की ने प्रण किया कि वह यह सुनिश्चित करेंगे कि रूसी सैनिकों की ओर से देश की जमीन पर किया गया ऐसा युद्धापराध धरती पर आखिरी हो।

श्रीलंका में गिर सकती है राजपक्षे सरकार, 40 सांसदों ने छोड़ा साथ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कोलंबो। श्रीलंका में जारी भारी राजनीतिक उथल–पुथल के बीच राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे की सरकार पर संकट मंडराने लगा है। भीषण आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका के राष्ट्रपति ने इस्त्तीफा देने से इंकार कर दिया है। वहीं विपक्ष ने भी राजपक्षे के सरकार में शामिल होने से इंकार कर दिया है। इस बीच श्रीलंका की संसद में पूरे संकट को लेकर चर्चा के दौरान 40 सांसदों ने सत्ष्ता पक्ष से अलग बैठने का ऐलान कर दिया। संसद के बाहर जोरदार प्रदर्शन हो रहे हैं और विपक्ष संसद में मतदान कराने पर जोर दे रहा है।

श्रीलंका के पूर्व मंत्री विमल

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने इस्तीफा देने से इंकार किया

वीरावंसा ने ऐलान किया कि 17 सांसदों ने संसद में स्वतंत्र ग्रुप के रूप में बैठने का फैसला किया है। इस बीच श्रीलंका पोडूजाना पेरामूना ने भी घोषणा की है कि सत्तारूढ़ पार्टी के 12 सांसदों ने भी संसद में अलग बैठने का ऐलान किया है। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति मैत्रीपाल श्रीसेना ने भी कहा है कि 16 सांसद अलग बैठेंगे। इन सांसदों ने अपने फैसले की संसद के वर्तमान सत्र के दौरान घोषणा की। इस बीच राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने कहा है कि वह इस्तीफा नहीं देंगे, लेकिन संसद में 113 सीटों वाली किसी भी पार्टी को सरकार सौंपने के लिए तैयार हैं।

एसएलपीपी अपनी 113 सीटों पर कब्जा करने की कोशिश कर रहीः डेली मिरर अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को राजपक्षे ने देशभर में सार्वजनिक विरोध के बीच कई राजनीतिक बैठकें कीं। राष्ट्रपति की श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) एसएलपीपी अब अपनी 113 सीटों पर कब्जा करने की कोशिश कर रही है ताकि वह साधारण बहुमत के साथ भी सरकार में बनी रह सके, जबकि महिंदा राजपक्षे प्रधानमंत्री बने हुए हैं। इस बीच, एसएलपीपी के मुख्य गठबंधन सहयोगी श्रीलंका फ्रीडम पार्टी ने घोषणा की है कि सभी 14 सांसद सरकार छोड़ देंगे।

अमेरिका ने लाबिंग शुरू की, क्या होगी भारत की रणनीति

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। रूस यूक्रेन जंग के बीच भारत की कूटनीतिक चुनौती और बढ़ेंगी। अमेरिका व पश्चिमी देश रूस को दुनिया से अलग–थलग करने के लिए भारत और अन्य मुल्कों पर दबाव बनाना शुरू कर दिए हैं। भारत रूस दोस्ती के समक्ष एक बड़ी चुनौती पेश हो सकती है। अमेरिका और पश्चिमी देशों की नजर जी–20 पर टिकी है। अमेरिका इस बात की पुरजोर कोशिश करेगा कि रूस को जी–20 से बाहर किया जाए। यह भारत के लिए बहुत दुविधा का विषय होगा, क्योंकि वर्ष 2023 में जी–20 की शिखर बैठक नई दिल्ली में होनी है। इसके पूर्व यह शिखर बैठक इंडोनेशिया में होगी। ऐसी स्थिति में अमेरिका व पश्चिमी देश भारत पर यह दबाव और तेज करेंगे कि रूस को समूह जी–20 से बाहर किया जाए। आखिर भारत इस कूटनीतिक चुनौती से कैसे निपटेगा। प्रो हर्ष वी पंत का कहना है कि जी–20 शिखर सम्मेलन में भले ही अभी काफी दिन शेष है, लेकिन अमेरिका ने रूस की घेराबंदी शुरू कर दी है। अमेरिका के मित्र राष्ट्र और क्वाड देशों ने रणनीति के तहत इस दिशा में प्रयास करना शुरू कर दिया है।